प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
छात्राओं ने की गाजर घास नियंत्रण में भागीदारी

पंतनगर। 21 अगस्त, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के अन्तर्गत गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह कार्यक्रम के छठे दिन आज राजकीय बालिका इण्टर कालेज, पंतनगर, में जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें पैम्पलेट के वितरण के माध्यम से गाजर घास से होने वाली नुकसान के बारे में तथा इनके नियंत्रण की अनेक विधियों को बताया गया। परियोजना समन्वयक, डा. वी.पी. सिंह, ने गाजर घास से होने वाले रोग एवं दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी, साथ ही गाजर घास के जैविक नियंत्रण हेतु मैक्सिकन बीटल के प्रयोग तथा नियंत्रण की अन्य विधियों जैसे यांत्रिक, जैविक एवं रसायनिक विधि की जानकारी भी दी।

इसके उपरान्त प्रधानाचार्या श्रीमती जमाल ने सभी का धन्यवाद किया और छात्राओं को गाजर घास के प्रति जागरूक करने के लिए तथा उनको प्रेरित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होनें यह भी आश्वासन दिया कि उनकी राष्ट्रीय सेवा योजना की २५० छात्राएँ स्वच्छ भारत अभियान के तहत अपने विद्यालय परिसर को गाजर घास मुक्त करने में अपना सहयोग प्रदान करती रहेंगी। अंत में डा. वी. पी. सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिकों के साथ रैली निकाली और सभी लोगों ने गाजर घास के उन्मूलन के लिए नारा लगाया।

जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय परिसर से श्रीमती बिमला कापड़ी, श्रीमती शालिनी शर्मा एवं श्रीमती नीमा आर्या ने अपना सहयोग प्रदान किया। साथ ही साथ खरपतवार परियोजना के पी. डी. एफ., एस. आर. एफ., प्रोजेक्ट असिस्टेन्ट एवं श्री हंसराज ने बढ़चढ़कर अपनी सहभागिता की।

गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह के अन्तर्गत छात्राओं को जानकारी देते वैज्ञानिक।